बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अक्टूबर, 2023

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची

		पेज नं.
(A)	बालासोर ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों के पुनर्वास हेतु प्राधिकरण का प्रयास जारी	03
(B)	हीट व कोल्ड एक्शन प्लान के लिए आईआईपीएच से एमओयू	05
(C)	मदरसों के 170 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण	07
(D)	बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण	08
(E)	माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण	10
(F)	आपदाओं से बचाव हेतु जिला स्तर पर तैयार हो रही मॉकड्रिल करनेवाली टीम	11
(G)	आपदा प्रबंधन पदाधिकारियों का आपदा जोखिम न्यूनीकरण उन्नमुखीकरण	13
(H)	सोनपुर मेला 2023 : प्राधिकरण के पैवेलियन हेतु पूर्व तैयारी बैठक	15
(I)	कम्युनिटी रेडियो के जरिये जागरूकता अभियान	16
(J)	वर्ष–2024 के कैलेंडर निर्माण हेतु पेंटिंग कार्यशाला आयोजित	17
(K)	'इनसे मिलिए' कार्यक्रम : 21वी सदी का बिहार, दिव्यांगता मुक्त बिहार	18
(L)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	20
(M)	व्यय विवरणी	21
(N)	जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	22

(A) बालासोर ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों के पुनर्वास हेतु प्राधिकरण का प्रयास जारी

बालासोर ट्रेन दुर्घटना ने देश और कई राज्यों विशेषकर बिहार को प्रभावित किया। मृतकों और घायलों की सूची में बिहार से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं – 70 मृतक एवं 61 घायल। माननीय उपाध्यक्ष के नेतृत्व एवं माननीय सदस्यों के मार्गदर्शन में पीड़ित परिवारों को तात्कालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक सहायता के लिए शुरू किये गए प्रयास में जीविका, सामाजिक सुरक्षा निदेशालय, स्थानीय गैर सरकारी संगठनों, रिलायंस फाउंडेशन, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सायंसेज, इत्यादि जुड़ते चले गए। सभी ने मिलकर पुनर्वास एवं पुनर्प्राप्ति का कार्य किया एवं निरंतर कर रहे हैं।

दीर्घकालीन योजना के तहत, ट्रेन दुर्घटना में बिहार के पीड़ितों का विस्तृत सर्वेक्षण जीविका द्वारा प्रोजेक्ट विश्वास के तहत किया गया। सर्वेक्षण का विवरण गूगल शीट में सभी जिला स्तरीय जीविका अधिकारियों द्वारा दिया गया। सर्वेक्षण पत्रों को डाउनलोड किया जाना एवं इनका विशेष विश्लेषण किया जाना जरूरी था ताकि उन पीड़ितों को चिन्हित किया जा सके, जिनको रिलायंस फाउंडेशन तथा जीविका द्वारा अलग–अलग सहयोग/पुनर्वास किया जा सके। सभी उपलब्ध सर्वेक्षण पत्रों का अपने स्तर पर विशेष विश्लेषण किया गया एवं तदनुसार चिन्हित पीड़ितों को सहयोग हेतु सूची तैयार की गई, जो निम्नलिखित है :

1. मृत पीड़ित परिवारों की सूची जिन्हें रिलायंस फाउंडेशन द्वारा नौकरी, कौशल विकास में सहयोग, पशुधन सहयोग किया जा सके : 60
2. घायल पीड़ित परिवारों की सूची जिन्हें रिलायंस फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास में सहयोग, पशुधन सहयोग किया जा सके : 31
3. मृत पीड़ित परिवारों की सूची जिन्हें जीविका द्वारा उनकी योजनाओं से आच्छादित कर जीविकोपार्जन का सहयोग किया जा सके : 59
4. घायल पीड़ित परिवारों की सूची जिन्हें जीविका द्वारा उनकी योजनाओं से आच्छादित कर जीविकोपार्जन का सहयोग किया जा सके : 48

उपरोक्त सूची जीविका के सीईओ एवं रिलायंस फाउंडेशन को भेज दी गई है ताकि वे आगे की कार्रवाई कर सकें। रिलायंस फाउंडेशन के प्रतिनिधि ने सूचित किया कि इस सूची के आधार पर 33 परिवारों को पशुधन सहायता, 41 पीड़ितों को कौशल प्रशिक्षण एवं सहयोग 39 परिवारों को नौकरी से जोड़ने का कार्य शुरू करने जा रहे हैं। उनके द्वारा दी गई सूचना के आधार पर प्रथम पशुधन सहयोग का कार्य किया जायेगा, जिसके लिए वेंडर का चयन किया जा चुका है।

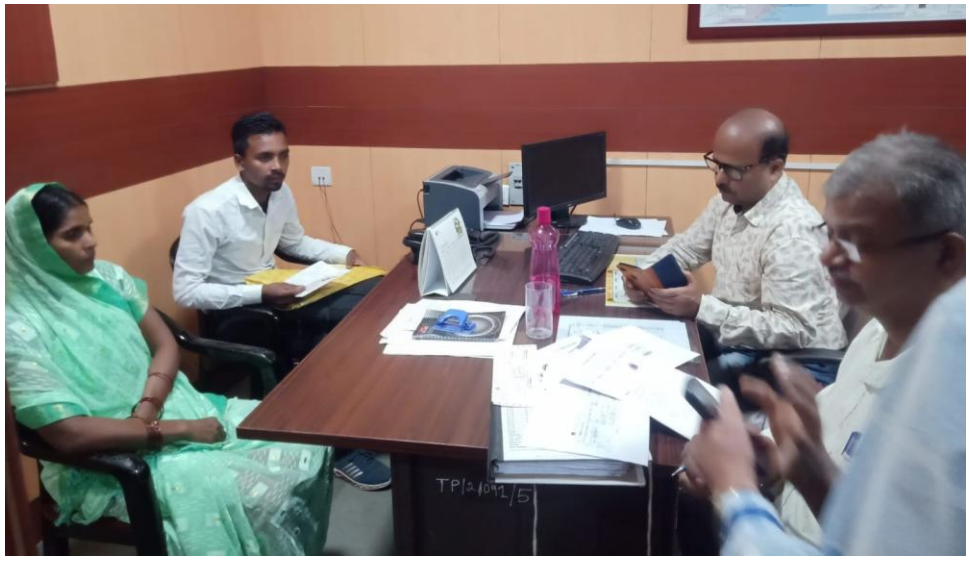

इसके साथ–साथ प्राधिकरण ने रेलवे, हाजीपुर के सहयोग से रेलवे दावा

न्यायाधिकरण पटना में पीड़ितों के दावा दायर करने में हर सम्भव सहयोग किया और यह कार्य अभी भी जारी है। अबतक 117 पीड़ितों ने रेल क्लेम ट्रिब्यूनल में दावा जमा किया है। इनमें से 50 दावों के ऊपर ट्रिब्यूनल का निर्णय आ चुका है जिसके तहत रेलवे को इन पीड़ितों को ट्रिब्यूनल के आदेशानुसार क्षतिपूर्ति करनी है। 38 मृतक परिवार के दावों का एवं 12 घायल के दावों का निपटारा हो चुका है। जमुई के पीडित (मृतक) सुखदेव यादव को रेलवे द्वारा दी गई राहत राशि के भुगतान पर रोक लगा दी गई। रेल अधिकारीयों के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित कर पुनः सर्वेक्षण कराया गया और अंततः रेलवे द्वारा उनके भुवनेश्वर कार्यालय में इस लंबित राशि का 30 अक्टूबर, 2023 को उनकी पत्नी संजू देवी को भुगतान कर दिया गया।

इसके अलावा समाज कल्याण विभाग एवं सामाजिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से पीड़ित परिवारों को सामाजिक सुरक्षा सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से पीड़ित परिवारों को आच्छादित करने का कार्य किया गया ताकि सरकारी योजनाओं का पीड़ित परिवारों को लाभ मिल सके। सामाजिक सुरक्षा निदेशालय द्वारा 115 लाभुकों को दी गई सहायता एवं पुनर्वास का विवरण इस प्रकार है :

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना : 09
2. लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना : 28
3. मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना : 07
4. कबीर अंत्येष्टि अनुदान योजना : 38
5. राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना : 31
6. बिहार निःशक्तता पेंशन योजना : 02

प्राधिकरण का प्रयास है कि इस प्रयोग के माध्यम से एक एसओपी एवं फ्रेमवर्क तैयार किया जा सके ताकि भविष्य में ऐसी अपकेंद्रीय आपदाओं (सेंट्रीफ्यूगल डिजास्टर) से पीड़ितों के लिए सहायता एवं पुनर्वास का कार्य निर्बाध गति से चलता रहे।

बक्सर ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों की भी सुधि ली गई

बिहार के बक्सर जिले में रघुनाथपुर स्टेशन के पास 11 अक्टबूर की रात दिल्ली–कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। इस रेल दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। घायलों में पांच, जो ज्यादा घायल हैं एवं जिनकी स्थिति अच्छी नहीं है, उनका इलाज पटना के एम्स अस्पताल में चल रहा है। पांच मृतकों में बिहार के अबू जायेद हैं, जो किशनगंज के हैं। इनका कोई मोबाइल नंबर नहीं होने के कारण आपदा पदाधिकारी, किशनगंज मो. जफर आलम से संपर्क किया गया। जानकारी के मुताबिक मृतक के घर में सिर्फ माँ बची हैं। पिता का देहांत पूर्व में ही हो चुका है। रेलवे से 10 लाख एवं बिहार सरकार से 04 लाख की अनुग्रह राशि मिल चुकी है। एम्स में इलाजरत सभी पीड़ितों से संपर्क का प्रयास किया गया। पांच से बात हो सकी और एक से मोबाइल पर संपर्क नहीं हो सका। बातचीत द्वारा जानकारी मिली कि उनका इलाज सही ढंग से चल रहा है एवं रेल प्रशासन से सभी सहयोग मिल रहा है। घायलों में दो बिहार के हैं – दरक्षा खातून एवं मुकेश कुमार। खातून से बात नहीं हो पाई। मुकेश ने बताया कि वही घर का परवरिश कर रहा था । उसके ऊपर उसकी पत्नी, बेटी, मां, पिताजी एवं एक विद्यार्थी भाई की जिम्मेवारी है। इस तरह बिहार से मृत 01 एवं घायल पीड़ित 02 हैं। आदेशानुसार इनकी सूची सामाजिक सुरक्षा निदेशालय एवं जीविका को भेजी जा चुकी है ताकि वे अपनी योजनाओं के तहत इनका भी आच्छादन कर सकें। निदेशालय ने इसपर कार्य शुरू कर दिया है।

(B) हीट व कोल्ड एक्शन प्लान के लिए आईआईपीएच से एमओयू

हीट एक्शन प्लान के अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान बनाने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (आईआईपीएच), गांधीनगर के साथ माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में 05 अक्टूबर, 2023 को एक बैठक हुई और विस्तृत चर्चा के उपरांत समझौते (एमओयू) पर दस्तखत करने पर सहमति बनी। माननीय सदस्यों के अलावा, योजना विभाग एवं बिहार मौसम सेवा केंद्र के वरीय अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे। आईआईपीएच, गांधीनगर से उनके निदेशक डॉ दीपक सक्सेना, प्रोफेसर डीवी मावलंकर, डॉ मेधा वाधवा, डॉ यसोबंत उपस्थित थे। इसी दिन एमओयू पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई। शर्तों के हिसाब से हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान का कार्य 31 मार्च, 2023 तक पूरा हो जाना है। सभी चीजें व्यवस्थित व समयबद्ध तरीके से की जाएंगी। स्थापना रिपोर्ट 31 अक्टूबर, 2023 को या उससे पहले मांगी गई, जो प्राधिकरण को प्राप्त भी हो चुकी है। शर्तों के तहत आईआईपीएच को 10 प्रतिशत राशि के भुगतान की प्रकिया चल रही है।

डीआरआर रोडमैप अद्यतीकरण

बिहार में आनेवाली आपदाओं के खतरे को कम करने के लिए बनाए गए डीआरआर (डिजास्टन रिस्क रिडक्शन) रोडमैप के अद्यतीकरण का कार्य यूनिसेफ द्वारा तेज गति से किया जा रहा है। चैप्टर 06 का प्रस्तुतिकरण माननीय उपाध्यक्ष एवं माननीय सदस्यों के समक्ष 04 अक्टूबर, 2023 को सुश्री वंदना ने किया। संशोधन हेतु अनेक सुझाव दिए गए, जिनपर अमल कर लिया गया है। 31 अक्टूबर, 2023 को अंतिम प्रारूप अपेक्षित है। इसके बाद सम्बंधित विभागों के साथ उन्मुखीकरण कार्यशाला की जानी है। साथ ही विभागवार

पुस्तिका भी तैयार की जानी है। सम्पूर्ण रूप के अद्यतीकरण का कार्य पूरा हो जाने के बाद सभी सम्बंधित विभागों के लिए बेसलाइन का निर्धारण किया जाना है ताकि मॉनिटरिंग का कार्य आसानी के साथ किया जा सके।

प्राधिकरण के लिए डिजिटल लाइब्रेरी

माननीय उपाध्यक्ष के निर्देशानुसार डिजिटल लाइब्रेरी का कार्य सक्रियता के साथ किया गया। विश्व की मशहूर डिजिटल लाइब्रेरी इन्टरनेट आर्काइव में प्राधिकरण को निबंधित किया गया ताकि निःशुल्क डिजिटल सामग्रियों को हम देख सकें, पढ़ सकें । इस लाइब्रेरी में करीब 4.6 मिलियन पुस्तकें एवं 06 मिलियन विडियो हैं। साथ ही भारत सरकार की महत्वकांक्षी राष्ट्रीय स्तर की डिजिटल लाइब्रेरी एनडीएलआई, आईआईटी, खड़गपुर से संपर्क कर प्राधिकरण के लिए एनडीएलआई का इंटीग्रेशन हमारी वेबसाइट के साथ करने की स्वीकृति ली गयी। समय सीमा के भीतर आईआईटी, खड़गपुर ने एनडीएलआई का इंटीग्रेशन प्राधिकरण की वेबसाइट के साथ कर दिया है तथा ज्ञान की सभी विधाओं का डिजिटल संसाधन प्राधिकरण की वेबसाइट के माध्यम से सभी के लिए उपलब्ध हो गया है।

(C) मदरसों के 170 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत अक्टूबर माह में चार बैच में मदरसों के कुल 170 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। राज्यस्तरीय दोदिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के आठवें बैच का आगाज दिनांक 09 अक्टूबर को पटना के फ्रेजर रोड स्थित यूथ हॉस्टल में हुआ। इस माह के आखिरी 11वें बैच का प्रशिक्षण 27 अक्टूबर को संपन्न हुआ। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने इन फोकल शिक्षकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षित किया। ये फोकल शिक्षक यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात अपने अपने मदरसों में अन्य शिक्षकों तथा बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे तथा प्रत्येक शनिवार के दिन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम को संचालित करेंगे। मदरसा बोर्ड की ओर से इन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

मदरसा मास्टर प्रशिक्षकों का रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अभी तक कुल 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं और केवल 4 शेष हैं। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है जिससे मदरसों में आपदा प्रबंधन हेतु एक सोच विकसित होगी तथा शिक्षक एवं विद्यार्थी विभिन्न आपदाओं से बचाव के उपाय सीख पाएंगे। साथ ही सुरक्षित शनिवार सम्बन्धी विभिन्न आपदाओं के वार्षिक चक्र को समझते हुए उनसे बचने के उपाय के जानकारी प्राप्त करेंगे।

(D) बालक/बालिकाओं का समुदाय स्तर पर तैराकी व जीवन रक्षा कौशल प्रशिक्षण

जिला प्रशासन के द्वारा समुदाय स्तर पर चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर 6–18 आयु वर्ग के बालक –बालिकाओं का प्रशिक्षण प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से किया जाता है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नालंदा, शेखपुरा, जहानाबाद, जमुई, बांका, कैमूर, रोहतास, गया, नवादा, अरवल एवं औरंगाबाद के द्वारा उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत बालक –बालिकाओं का 12 दिवसीय तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास के प्रशिक्षण को सम्पन्न करवाया जा रहा है। यह प्रशिक्षण उल्लिखित जिलों के चिन्हित प्रखंडों के अंतर्गत चयनित घाटों पर बनाए गए **अस्थायी तरणताल** में प्रदान किया जाता है। उल्लिखित जिलों के विभिन्न प्रखंडों में चिह्नित साइट्स पर सितम्बर माह 2023 तक कुल 5814 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। अक्टूबर माह 2023 में कुल 10 जिलों के विभिन्न प्रखंडों में चिह्नित साइट्स पर कुल 5570 बालकों को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार अभी तक कुल 5814 + 5570 = 11,384 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। अक्टूबर माह 2023 में समुदाय स्तर सम्पन्न हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है :–

क्र0सं0	जिला का नाम	प्रखण्ड/साइट	प्रशिक्षण की तिथि (अक्टूबर माह 2023)	कुल बैचों की संख्या	सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों/बालिकाओं एवं छात्रों, छात्राओं की संख्या
1.	नालंदा	बिहार शरीफ बेन अस्थावॉ रहुई बिन्द हिलसा एकंगरसराय हरनौत करायपरसुराय गिरियक सरमेरा	23.09.2023 से 04.10.2023 04.10.2023 से 16.10.2023 17.10.2023 से 30.10.2023	66	1980
2.	औरंगाबाद	गोह	23.09.2023 से 12.10.2023 13.10.2023 से 24.10.2023	14	417
		औरंगाबाद सदर	23.09.2023 से 04.10.2023 05.10.2023 से 16.10.2023 10.10.2023 से 23.10.2023		

		उपहारा	23.09.2023 से 12.10.2023 13.10.2023 से 24.10.2023		
3.	रोहतास	डिहरी	25.09.2023 से 06.10.2023 07.10.2023 से 18.10.2023	12	360
		सासाराम	24.09.2023 से 05.10.2023 06.10.2023 से 17.10.2023		
		विक्रमगंज	26.09.2023 से 08.10.2023 09.10.2023 से 20.10.2023		
4.	कैमुर	भभुआ रामगढ़ चांद	22.09.2023 से 03.10.2023 04.10.2023 से 15.10.2023 16.10.2023 से 27.10.2023	18	533
5.	शेखपुरा	घाटकुसुंबा सेखोपरसुराय शेखपुरा	26.09.2023 से 07.10.2023 08.10.2023 से 9.10.2023	12	360
6.	जहानाबाद	काको हुलासगंज मखदुमपुर	29.09.2023 से 10.10.2023 13.10.2023 से 24.10.2023	12	360
7.	जमुई	चकाई बरहट खैरा सोनो	03.10.2023 से 14.10.2023 15.10.2023 से 26.10.2023	16	480
8.	अरवल	अरवल कुर्था करपी	01.10..2023 से 12.10.2023 13.10.2023 से 24.10.2023	12	360
9.	गया	मानपुर बोधगया	16.10.2023 से 27.10.2023	8	240
10.	नवादा	वारसलीगंज हिसुआ	22.09.2023 से 03.10.2023 05.10.2023 से 16.10.2023	8	240
11.	बांका	बांका बरहट	25.09.2023 से 06.10.2023 07.10.2023 से 18.10.2023	8	240
कुल					**5570**

(E) माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम का विस्तार करते हुए इसे माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भी संचालित करने का निर्णय लिया गया। इस कार्यक्रम का माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में संचालन करने हेतु यह आवश्यक है कि प्रत्येक माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में दो–दो फोकल शिक्षक को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाये। उपरोक्त के अलोक में प्रत्येक माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित करने एवं सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम को संचालन करने के उद्देश्य प्रत्येक प्रखण्ड से एक–एक शिक्षक का तीन दिवसीय राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक

16–18 अक्टूबर, 2023 से चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना में आयोजित किया गया। आयोजित "मास्टर ट्रेनर्स" के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पटना, भोजपुर एवं बक्सर जिले के शिक्षकों के द्वारा भाग लिया गया, जो इस प्रकार हैः–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	16–18 अक्टूबर, 2023	पटना, भोजपुर एवं बक्सर	48

(F) आपदाओं से बचाव हेतु जिला स्तर पर तैयार हो रही मॉकड्रिल करनेवाली टीम

जिला स्तर पर मॉकड्रिल टीम के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) एवं अग्निशाम सेवा के सहयोग से प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया गया है। इसके आधार पर सिविल डिफेन्स के ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण कार्यक्रम होना है। इस सम्बन्ध में बांका एवं गया जिला के कुल 44 प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण दिनांक 26–10–2023 से शुरू हुआ। यह 03–11–2023 तक चलेगा। पुनः दिनांक 22–11–2023 से 30–11–2023 तक की अवधि के बीच नवादा एवं शिवहर जिला की कोर टीम का प्रशिक्षण निर्धारित है। जिलों में भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा से सम्बंधित मॉकड्रिल कार्यक्रम के आयोजन के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श करने एवं तैयारियों हेतु दिनांक 04–10–2023 को एक बैठक हुई जिसके आलोक में जून 2024 तक का आयोजित होने वाले कार्यकम का कैलेन्डर अनुमोदन हेतु समर्पित किया गया है। जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम के आयोजन के सम्बन्ध में आवश्यक विभिन्न प्रकार के इक्विपमेंट जिला स्तर से नियमानुसार निविदा/कोटेशन प्रक्रिया के माध्यम से क्रय किए जाने हैं। इस हेतु आवश्यक राशि 02,39,000/– जिलों को भेज दी गई है। आवश्यक विभिन्न प्रकार के इक्विपमेंट शीघ्र क्रय करने से सम्बंधित स्मार पत्र पुनः जिलों को सचिव स्तर से भेजा गया है।

अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूकंप के दौरान आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की

संस्था नेशनल स्किल डेवलेपमेंट कौंसिल (एनएसडीसी) के साथ प्रस्तावित एमओयू के सन्दर्भ में संशोधित ड्राफ्ट दुबारा प्राधिकरण को प्राप्त हुआ जिस पर फिर से विधिक परामर्श लिया गया। माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार इसे अन्तिम रूप देने हेतु एनएसडीसी को भेज दिया गया है।

बी एस टी एन (बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क) की स्थापना

बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क (बीएसटीएन) की स्थापना से संबंधित उपकरणों की प्राप्ति हेतु बिहार मौसम सेवा केंद्र द्वारा तैयार किये गए आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) को पुनरीक्षण व संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजा गया था। उनसे प्राप्त सुझाव के शामिल करते हुए संशोधित आरएफपी बिहार मौसम सेवा केंद्र से प्राप्त हुआ जिसे अग्रेतर कार्यवाही हेतु सचिव को पृष्ठांकित किया गया। बीएसटीएन के भवन निर्माण में हुई त्रुटि एवं जल रिसाव को ठीक करने के बिंदु पर आवश्यक निदेश भवन निर्माण निगम को दिया गया है।

भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र

1. राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। प्राचार्य द्वारा औपचारिक उद्घाटन का अनुरोध किया गया है, जिसके आलोक में तिथि निर्धारण हेतु प्रस्ताव समर्पित है।
2. भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने हेतु एनआईटी, पटना के प्रो० ए.के. सिन्हा द्वारा कांसेप्ट नोट समर्पित किया गया है। उनके द्वारा विस्तृत परियोजना प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

बिहार के ऐतिहासिक धरोहर भवनों के रखरखाव के सम्बन्ध में

बिहार के ऐतिहासिक धरोहर भवनों के रखरखाव सम्बंधित विषय पर एक शोध प्रस्ताव प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किया गया है। एन.आई.टी., पटना के प्रो. संजीव सिन्हा द्वारा फोटोग्रामेट्री तकनीक का उपयोग करते हुए इनके रेट्रोफिटिंग विषय पर आगे का कार्य किया जाना है। इस सम्बन्ध में प्रो० सिन्हा द्वारा कांसेप्ट नोट अपेक्षित था। इस प्रस्ताव को मा० उपाध्यक्ष के निदेशानुसार स्थगित कर दिया गया है।

(G) आपदा प्रबंधन पदाधिकारियों का आपदा जोखिम न्यूनीकरण उन्मुखीकरण

जिलास्तरीय आपदा प्रबंधन पदाधिकारियों के लिए एक दिवसीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27–10–2023 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभाकक्ष में दो सत्रों में सम्पन्न हुआ। आपदा से पूर्व कैसी हो तैयारी, इस विषय पर गहन चर्चा करते हुए माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने बिहार के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों को बतौर जिलाधिकारी अपने कार्यकाल के पूर्व अनुभवों से अवगत कराया। आपदा के समय किस रूप में त्वरित कारवाई की जाय, इसपर विस्तृत रूप से अपने विचार रखे। माननीय सदस्य श्री पारस नाथ राय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमें समय पूर्व तैयारी पर खासा ध्यान देना चाहिए। पूरे वर्ष विभिन्न आपदा यथा–बाढ़, वज्रपात, श्रावणी मेला आदि के लिए तैयारी और योजना को तत्कालीन समय की बजाय पूर्व में ही चिन्हित कर कार्य आरम्भ कर देना चाहिए। माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत मिश्र ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण उन्मुखीकरण पर अपने विचार रखते हुए पदाधिकारियों को सम्प्रेषण कौशल पर खास ध्यान देने को कहा। उन्होंने लोकसेवा शब्द पर सूक्ष्म दृष्टि रखते हुए जनसामान्य की परेशानियों को सहज रूप से सुनने और उनकी समस्याओं को निवारण हेतु व्यवहारपरक दृष्टि अपनाने को कहा। उन्होंने Knowledge, Competence और Care की महत्ता के बारे में बताया। Workers और Shirkers के फर्क को समझाया। राज्य से आये विभिन्न जिलों के आपदा प्रबंधन पदाधिकारियों ने आपदा प्रबंधन के सापेक्ष अपने अपने विचार रखे।

2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना के साथ संयुक्त रूप से प्रोजेक्ट "Facilitating adoption of IoT –Edge and AI based technologies for natural disaster management in Bihar" सम्बन्धी एमओयू पर हस्ताक्षरित हुआ है। आईआईटी को एमओयू के अनुसार प्रथम किश्त की राशि उपलब्ध करा दी गई है और उन्होने प्रोजेक्ट के अंतर्गत जूनियर रिसर्च फेलो तथा अन्य कर्मियों की बहाली शुरू कर दी है और कार्य प्रगति पर है। आईआईटी के विशेषज्ञों द्वारा वज्रपात से सुरक्षा हेतु पेंडेंट का निर्माण काय प्रगति पर है।

3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), पटना द्वारा "Vulnerability Assessment and Remedial Measures for Protected Monuments in Bihar" एमओयू पर दस्तखत होने के उपरांत कार्य प्रगति पर है। एमओयू के अनुसार इन्सेप्शन रिपोर्ट एनआईटी द्वारा प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। साथ ही प्रोजेक्ट सम्बन्धी जूनियर रिसर्च फेलो की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। उनके द्वारा प्रथम किश्त की राशि की मांग की गई है जिसके भुगतान की प्रक्रिया जारी है।

4. निदेशानुसार पटना शहर में बीएसडीआरएन मोबाइल एप की सफल टेस्टिंग के उपरांत एक मॉकड्रिल हाजीपुर के दूर दराज इलाके में प्रस्तावित है जिसकी तैयारी की जा रही है। इस कार्यक्रम को आगामी 10 नवंबर तक सम्पादित किया जायेगा।

(H) सोनपुर मेला 2023 : प्राधिकरण के पैवेलियन निर्माण हेतु पूर्व तैयारी बैठक

माननीय उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में एवं श्री पी0एन0 राय, माननीय सदस्य, श्री मनीष कुमार वर्मा, माननीय सदस्य, श्री कौशल किशोर मिश्र, माननीय सदस्य की उपस्थिति में आसन्न सोनपुर मेला में प्राधिकरण के पैवेलियन की स्थापना एवं जन–जागरूकता गतिविधियों के आयोजन हेतु संबंधित हितधारकों के साथ एक बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में बिहार अग्निशमन सेवा, एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, सिविल डिफेंस एवं अन्य संस्थाओं/संस्थानों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान निर्धारित गतिविधियों के क्रियान्वयन एवं समन्वय हेतु निम्नानुसार एक समिति का गठन किया गयाः–

I.	श्री आशुतोष सिंह, उप सचिव, बि0रा0आ0प्र0प्राधि0।	– अध्यक्ष
II.	श्री विजय प्रसाद, पुलिस अधीक्षक, सिविल डिफेंस, बिहार।	– सदस्य
III.	श्री जीतेन्द्र पाण्डेय, 2IC, एस0डी0आर0एफ0।	– सदस्य
IV.	डॉ0 अनिल कुमार, वरीय सलाहकार, बि0रा0आ0प्र0प्राधि0।	– सदस्य
V.	सिस्टर लिसी, आशादीप संस्थान।	– सदस्य
VI.	श्री धीरज कुमार, एन0सी0सी0 उड़ान।	– सदस्य
VII.	श्री अमित कुमार, उत्कर्ष एक पहल।	– सदस्य
VIII.	डॉ0 जीवन कुमार, बि0रा0आ0प्र0प्राधि0।	–सदस्य सचिव

(I) कम्युनिटी रेडियो के जरिये जागरूकता अभियान

रेडियो जनसंचार का सबसे लोकप्रिय, किफायती और सुलभ माध्यम है। आपदा जागरूकता संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने में कम्युनिटी रेडियो कारगर माध्यम साबित हो सकते हैं। इसी सोच के साथ बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त राज्य के नौ कम्युनिटी रेडियो ब्रॉडकास्टर को अपने जन जागरूकता अभियान का हिस्सा बनाया। इन रेडियो की पहुंच दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में है। इनमें से अधिकतर स्थानीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। कुछ विशेष रूप से किसानों के लिए ही समर्पित रेडियो हैं।

अक्टूबर माह में पर्व–त्योहारों और खासकर दुर्गा पूजा और दशहरा को देखते हुए भगदड़ व अन्य मानवजनित आपदाओं की रोकथाम के उद्देश्य से जागरूकता संदेशों का प्रसारण कम्युनिटी रेडियो की मार्फत कराया गया। इसके लिए विशेष तौर पर पुरुष और महिला की आवाज में लोकप्रिय आरजे से जिंगल्स बनवाए गए। कुल आठ ब्रॉडकास्टर को इस अभियान में शामिल किया गया, जो आठ जिले में फैले हुए हैं। इनकी प्रसारण क्षमता का दायरा लगभग 20 किलोमीटर है। कम्युनिटी रेडियो ब्रॉडकास्टर, जिन्हें प्राधिकरण की ओर से जागरूकता संदेशों के प्रसारण का कार्य दिया गया :

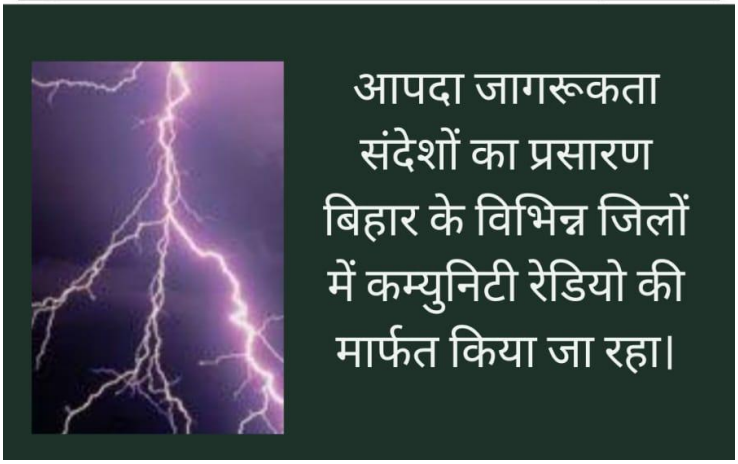

क्र.सं.	नाम	प्रसारण क्षेत्र
1.	एफएम ग्रीन	सबौर
2.	रेडियो मयूर	सारण
3.	रेडियो वर्षा	गोपालगंज
4.	रेडियो मधुबनी	फुलपरास
5.	रेडियो रिमझिम	गोपालगंज
6.	रेडियो एक्टिव	भागलपुर
7.	रेडियो स्नेही	सिवान
8.	रेडियो गूंज	वैशाली

(J) वर्ष–2024 के कैलेंडर निर्माण हेतु पेंटिंग कार्यशाला आयोजित

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के लिए वर्ष–2024 के कैलेंडर निर्माण हेतु एससीईआरटी, महेंद्रू में कला शिक्षकों की तीन दिवसीय पेंटिंग कार्यशाला 26–28 अक्टूबर, 2023 के बीच आयोजित की गई। राज्य के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में कार्यरत करीब दर्जन भर शिक्षकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। यूनिसेफ और एससीईआरटी के सहयोग से यह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के पहले दिन प्राधिकरण की ओर से वरीय सलाहकार श्री अशोक कुमार शर्मा व सहायक संपादक श्री संदीप कमल और यूनिसेफ के राज्य सलाहकार श्री पल्लव कुमार भी मौजूद थे।

श्री संदीप कमल ने प्रतिभागियों को बताया कि कैलेंडर मूलतः प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं को लेकर बनाए गए 'क्या करें, क्या न करें' के आधार पर तैयार किया जाएगा। हर पेंटिंग्स अपनी पूरी बात स्पष्ट कहता हो अर्थात आपदा पूर्व तैयारी और आपदा बाद की जानेवाली कार्रवाई इसमें दर्शाई गई हो। जागरूकता संदेश स्पष्ट हों। सुरक्षा उपकरण–ऐप, आपातकालीन किट, आपात नंबर का उल्लेख हो। आपदाओं से लड़ने की समुदाय की जीजिविषा की झलक दिखे। कैलेंडर पर एक क्यूआर कोड बनाया जाएगा ताकि इसे ऑनलाइन भी सहज रूप से देखा जा सके।

कार्यशाला में कुल 13 पेंटिंग्स तैयार की गई। 12 महीने अलग–अलग आपदाओं पर और एक कोलाज बनाया गया। पेंटिंग्स को अंतिम रूप देने और इसके डिजिटलाइजेशन के लिए अगले माह एक और कार्यशाला के आयोजन का प्रस्ताव है।

(K) 21वी सदी का बिहार, दिव्यांगता मुक्त बिहार

पद्मश्री श्री विमल कुमार जैन ने 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में रखे अपने विचार

'समाज से लेते सभी हैं, समाज को वापस आप क्या देकर जाते हैं, अंततः यही मायने रखता है। इसे ही लोग याद रखते हैं। सेवा सब्र का काम है और ऐसा करते हुए आप करूणा, पीड़ा और दया के सागर में गोते लगा रहे होते हैं। समाज सेवा का जज्बा होना चाहिए। समय की कमी फिर आड़े नहीं आएगी। उम्र, पैसा, पद ये सब महत्वहीन है। दिव्यांगों की सेवा के हमारे संकल्प में आप सब हमारा साथ दीजिए। कोई भी काम आप सम्मान के लिए कतई ना करें। समाज के लिए करें, इससे आपको आत्मिक शांति मिलेगी। आप अपनी जिंदगी के साथ दूसरो की जिंदगी में खुशियां लाने का माध्यम बनें।' पद्मश्री से सम्मानित दिव्यांगों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले समाजसेवी श्री विमल कुमार जैन ने उक्त बातें कहीं।

दिनांक 13 अक्टूबर, 2023 को वे प्राधिकरण सभागार में प्रोफेशनल्स और कर्मियों से संवाद कर रहे थे। प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदयकांत एवं माननीय सदस्य एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक श्री पी एन रय ने शॉल ओढ़ा श्री विमल कुमार जैन को सम्मानित किया। सचिव श्री मीनेन्द्र कुमार (भा.प्र.से.) ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया।

दिव्यांगता और अंगदान विषय पर उनके व्याख्यान और दिव्यांगता मुक्ति अभियान में शामिल होने के लिए किए गए आह्वान का उपस्थित सभी कर्मियों ने ह्रदय से स्वागत किया। '21वी सदी का बिहार, दिव्यांगता मुक्त बिहार' के सपने को सफल बनाने के लिए उन्होंने सभी का सहयोग मांगा। नेत्रदान और अंगदान की अपील भी की। आगामी 4 नवंबर को भारत विकास एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल में आयोजित होनेवाले पोलियो एवं करेक्टिव शल्य शिविर में उन्होंने प्राधिकरण की टीम को आमंत्रित किया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदयकांत ने दिव्यांगों को आपदाओं में सुरक्षित रखने के साथ ही उनके जीवन को और बेहतर बनाने के लिए प्राधिकरण और अस्पताल के साथ एक समझौते (एमओयू) की संभावना तलाशने पर माननीय उपाध्यक्ष ने बल दिया। आगामी 04 नवंबर, 2023 को प्राधिकरण की एक टीम अस्पताल का दौरा कर संस्था के कार्यों को नजदीक से देखने–जानने का प्रयास करेगी। अस्पताल में मरीजो और उनके परिजनों के बीच आपदा के समय ध्यान रखने योग्य सावधानियां विषय पर प्राधिकरण की ओर से मॉकड्रिल का प्रस्ताव माननीय उपाध्यक्ष ने रखा।

जानिए, पद्मश्री श्री विमल कुमार जैन को

मूलतः मुंगेर के रहने वाले समाजसेवी श्री विमल कुमार जैन को वर्ष–2021 में पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया। आपका ताल्लुक एक व्यवसायी परिवार से है। आपने इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई मुंगेर से पूरी की। आगे स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने पटना चले आए। आपातकाल का वह दौर था। वर्ष–1974 में छात्र आंदोलन से गहरे जुड़े और लोकनायक जयप्रकाश के प्रिय पात्रों में एक रहे। श्री विमल जैन को मानवता की सच्चे और निस्वार्थ सेवा के लिए पद्मश्री सम्मान मिला है। उनके कई मित्र आज राजनीति के क्षेत्र में हैं। लेकिन उन्होंने खुद को इससे दूर रखा है और समाजसेवा का रास्ता चुना।

श्री जैन कृत्रिम पैर से जुड़े संगठन प्रकल्प भारत विकास विकलांग न्यास के महामंत्री के रूप में पटना *स्थित पहाड़ी में भारत विकास एवं संजय आनंद विकलांग* अस्पताल चलाते हैं। इसके माध्यम से आपने अब तक करीब 40,000 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग लगाने का कीर्तिमान बनाया है। इसी तरह दधीचि देह दान के माध्यम से दृष्टिबाधित दिव्यांगों के जीवन मे फिर से उजाला भर रहे हैं। करीब 70,000 लोगों से देहदान का संकल्प पत्र भरवाया है। आप उनकी चिंता करते हैं, जिनके बारे में कोई नहीं सोचता। इनका सपना है – 21वीं सदी का बिहार विकलांग मुक्त बिहार। बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के आप संरक्षक हैं।

अक्टूबर माह में हिंदी दिवस आयोजन

हर माह की 14 तारीख को हिंदी दिवस मनाने के निर्देश के आलोक में अक्टूबर, 2023 महीने में हिंदी दिवस कार्यक्रम 13 अक्टूबर को अपराह्न 3.30 बजे से आयोजित किया गया। 14 अक्टूबर, शनिवार को साप्ताहिक अवकाश के कारण इसे एक दिन पूर्व आयोजित किया गया। प्राधिकरण कर्मियों के बीच हिन्दी वाक् कौशल प्रतियोगिता आयोजित की गई। लिखित देखे या पढ़े बगैर प्रतिभागियों ने अपनी बात रखी। विषय रखा गया – **नारी शक्ति वंदन अधिनियम।** प्रतियोगिता के विजेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

(L) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर अक्टूबर माह में राज्य के कुल 236 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 23 सरकारी एवं 213 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

Month October -23, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise							
Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	0	46	46
2	Nalanda	0	0	0	1	5	6
3	Rohtas	2	0	2	4	8	12
4	Bhabhua	1	0	1	0	11	11
5	Bhojpur	0	0	0	0	7	7
6	Buxar	0	0	0	1	0	1
7	Gaya	0	0	0	3	7	10
8	Jehanabad	0	0	0	0	11	11
9	Arwal	0	0	0	0	3	3
10	Nawada	0	0	0	0	8	8
11	Aurangabad	0	0	0	0	2	2
12	Chhapra	0	0	0	0	1	1
13	Siwan	0	0	0	0	5	5
14	Gopalganj	0	0	0	0	0	0
15	Muzaffarpur	0	0	0	0	18	18
16	Sitamarhi	0	0	0	0	10	10
17	Sheohar	0	0	0	0	1	1
18	Bettiah	0	0	0	0	0	0
19	Bagaha	0	0	0	0	0	0
20	Motihari	0	1	1	0	20	20
21	Vaishali	0	0	0	0	10	10
22	Darbhanga	0	0	0	0	2	2
23	Madhubani	0	0	0	0	14	14
24	Samastipur	0	0	0	0	0	0
25	Saharasa	0	2	2	0	1	1
26	Supaul	0	0	0	0	3	3
27	Madhepura	0	0	0	0	2	2
28	Purnea	5	1	6	3	10	13
29	Araria	0	0	0	0	4	4
30	Kishanganj	0	4	4	0	2	2
31	Katihar	0	0	0	2	4	6
32	Bhagalpur	0	0	0	0	12	12
33	Naugachhia	0	0	0	0	0	0
34	Banka	0	0	0	0	3	3
35	Munger	0	0	0	0	6	6
36	Lakhisarai	0	0	0	0	0	0
37	Shekhpura	0	0	0	0	2	2
38	Jamui	0	0	0	0	7	7
39	Khagaria	0	0	0	0	3	3
40	Begusarai	0	0	0	1	3	4
Total		8	8	16	15	205	220

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 10,815 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(M) अक्टूबर माह की व्यय विवरणी (रुपये में)

व्यय विवरणी (अक्टूबर -2023)		
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	13,23,716
2	कार्यालय व्यय	57,88,223
3	जन जागरुकता	1,60,480
4	सुरक्षित तैराकी	33,35,500
5	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	3,54,316
6	जीविका दीदी प्रशिक्षण	2,37,607
7	राजमिस्त्री प्रशिक्षण	4,930
8	सड़क सुरक्षा	2,55,649
9	लू/गर्म हवा	2,420
10	मॉकड्रिल	5,60,000
11	एमओ यू	6,600
12	सोनपुर मेला 2023	6,600
13	पुरस्कार	1,20,000
14	वाहन-क्रय	58,74,120
15	पेट्रोल/डीजल	29,103
16	विद्युत	17,321
17	किराया	33,44,775
18	दूरभाष	4,000
19	वेतन (31-04)	23,68,355
20	“अपस्केलिंग ऑफ़ आपदा मित्र”	2,80,17,782

(N) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

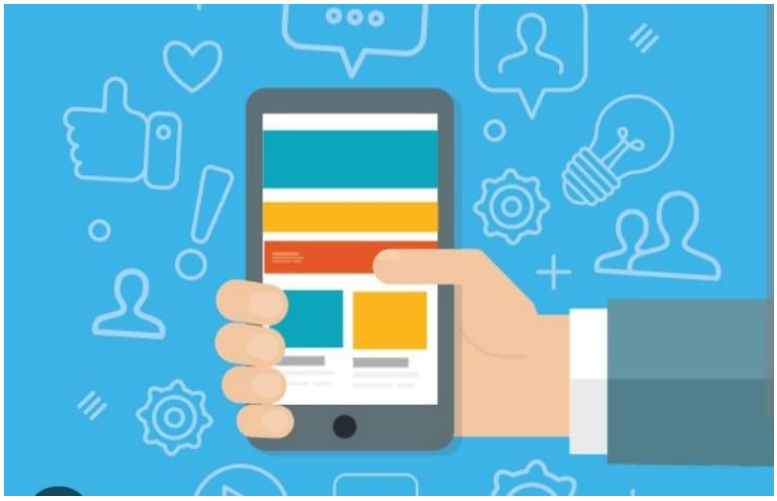

प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। सितंबर, 2023 में कुल 2995758 मास मैसेजिंग किए गए। इसके जरिये वायु प्रदूषण, नाव दुर्घटना से बचाव और डूबने से बचाव के बारे में जानकारी लोगों को दी गई।